THE WORLD BANK

SCERT पटना द्वारा विकसित एक मासिक पत्र

e-संवाद

May 2018 Vol. 01 No. 01

विषय सूची

1। नए सत्र की शुरुआत– हमारी तैयारी

2। सतत वत्तिका विकास (Continuous Professional Development) CPD – क्या, क्यों और कैसे

3। क्या नया किया – औरों को भी बताये

4। सीखने सिखाने के हमारे तरीके

5। आपके विचार

शैक्षिक विचार

शिक्षक की हैसियत समाज के सामाजिक–आर्थिक लोकाचार को प्रतिबिंबित करती है। कहा जाता है कि कोई भी व्यक्ति अपने शिक्षकों के स्तर से उचा नहीं उठ सकता।

–राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986

अपनी बात

प्रिय शिक्षको,

आप बड़े उर्जावान तरीके से अपने विद्यालय के बच्चों को अपने शिक्षण से उन्हें सीखने–सिखाने में व्यस्त होंगे, ऐसा विश्वास है। SCERT पटना आपके इस कार्य की समय समय पर सराहना करता रहा है।आप में से अनेक ने अपने बच्चो को सीखने में कई रोचक तरीको का उपयोग किया है। आपके इन प्रयासों से कुछ तो अवगत हो जाते हैं। कईयों को पता भी नहीं चल पाता है। आप सुदूर अंचलों में एक साधक की भांति साधना में लगे रहते है। आपसे लगातार संवाद स्थापित कर पाना भी संभव नहीं हो पाता है। आपसे संवाद की प्रक्रिया कैसे संचालित हो, इस के लिये इन प्रश्नों को समाधन हेतु यह पत्र आपको प्रषित कर रहा हूँ।

SCERT पटना के द्वारा विकसित यह **e-संवाद**प्रत्येक माह आपके पास e माध्यम जैसे email whatsapp आदि के सहारे पहुँचाने की योजना है। यह पहला **e-संवाद** आपके समक्ष रखते हुए हम इसकी शुरुआत कर रहे हैं। अपेक्षा यह है कि हम इस के माध्यम से अपने आपसी संवाद को बेहतर स्थापित कर पायेंगे।

इस संवाद के माध्यम से एक दूसरे से सीखते समझते हुए अपने बच्चों के लिए एक बेहतर शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करने में सफल हो पायेंगे।

हम एक शैक्षणिक परिवार हैं और परिवार के सभी सदस्यों की क्षमता अलग अलग होती है,इसे हम नजर अंदाज नहीं कर सकते। पर हम जानते हैं कि एक दूसरे की क्षमता का उपयोग कर एक बेहतर कल का निर्माण कर सकते है। बस इस पत्र का उद्देश्य इतना भर है कि हम खुलकर एक दूसरे को समझकर, एक दूसरे की क्षमता से सीखकर बच्चों के सीखने के स्तर को ठीक कर सकते हैं। हम अपनी विद्यालयी एवं कक्षायी प्रक्रियाओं में बदलाव ला सकते हैं।

इस अंक में हम e **संवाद**के उपयोग करने के तरीके के साथ साथ नए सत्र की शुरुआत – हमारी तैयारी, सतत वृतिका विकास – क्या ,क्यों और कैसे ,क्या नया किया – औरों को भी बताये, सीखने सिखाने के हमारे तरीके, आपके विचार जैसे मुद्दों को शामिल किया है।

आशा है आप सहमत होंगे। आप अपने विचार से हमें जरुर अवगत कराएँगे।

e-संवादके उपयोग करने के तरीके

यह पत्र आपको e-Mail, WhatsApp के माध्यम से प्राप्त होंगे। आप चाहें तो इसके प्रिंट आउट भी ले सकते हैं। इसकी जिम्मेवारी संकुल समन्वयक, प्रखंड संसाधन केन्द्र (BRC) के साधन सेवी एवं डायट के फेकल्टी को लेना होगा। संकुल समन्वयक अपने संकुल के अर्न्तगत सभी विद्यालयों के सभी शिक्षकों का e-Mail, WhatsApp ग्रुप बनायेंगें। प्रखंड संसाधन केन्द्र (BRC) के साधन सेवी अपने प्रखंड के अर्न्तगत संकुल के सभी संकुल समन्वयकों का e-Mail, WhatsApp ग्रुप बनायेंगें। डायट के फेकल्टी अपने प्राचार्य के नेतत्व एवं मार्गदर्शन में जिला के सभी प्रखंड संसाधन केन्द्र (BRC) के साधन सेवियों का e-Mail, WhatsApp ग्रुप बनायेंगें। हमें विश्वास है कि प्रत्येक स्तर पर हमारे शिक्षक, संकुल समन्वयक, प्रखंड संसाधन केन्द्र (BRC) साधन सेवी, एवं डायट के फेकल्टी जो तकनीकि से सहज होंगें व अपने स्तर पर WhatsApp ग्रुप एवं e-Mail बना लेंगे। SCERT, राज्य के सभी डायट के साथ WhatsApp ग्रुप जुडेंगें। इस प्रकार हमलोंगों के बीच शैक्षिक संवाद का आदान प्रदान हो सकेगा, जिसके माध्यम से बच्चों को सीखने सिखाने नए नए ढंग से अपनी समझ बना पाएंगें और शिक्षण में आने वाली कठिनाई का समाधान कर पाएंगें।

e-संवाद प्राप्त होते ही समूह में इसे प्रेषित करना होगा ताकि सबों तक पत्र पहुँच जाए। संकुल की बैठकों, प्रखंड की बैठकों में e-संवाद का वाचन हो तथा e-संवाद के अनुरूप कार्य करने की योजना बने।

शिक्षक भी अपने कार्यों को इसी माध्यम से हम तक प्रेषित कर सकते हैं।

इस प्रकार तकनीक के सहारे हम एक दुसरे से जुड़े रह सकते हैं।

नए सत्र की शुरुआत - हमारी तैयारी

विद्यालय में नए सत्र की शुरुआत हो रही है। आप विद्यालय में नए नामांकित होने वाले बच्चों के स्वागत की तैयारी कर रखी होगी। आपनें यह सोचकर तैयारी की होगी कि कोई भी नया बच्चा स्कूल में अपने को अलग थलग महसूस न करे। वह किसी भी समुदाय परिवार से आता हो कोई भी जाति धर्म हो उसे विद्यालय अपना लगे।छोटे बच्चों को खेलने में आनंद आता है हम सभी जानते है।

आप कई प्रकार की खेल गतिविधियों का तैयार किये होंगे ताकि बच्चे विद्यालय में भी घर सा आनंद ले सकें। आप निश्चित रूप से किसी खास शिक्षक को यह जिम्मेवारी दे रखी होगी या स्वयं लिया होगा कि इन बच्चों पर विशेष ध्यान रखे। आपने अपने विद्यालय में क्या तैयारी की है, अपने अनुभव को साझा करें। आपके अनुभव से अन्य विद्यालय ,शिक्षक भी सीख सकेंगे।

सतत वृत्तिका विकास (Continuous Professional Development) CPD – क्या, क्यों और कैसे

हम शिक्षक हैं। शिक्षण हमारी वृत्ति है। हमें रोज अपने बच्चों के साथ नए अनुभव से गुजरना होता है। बच्चे की कौतुहलता बनाये रखना, उन्हें जिज्ञासु बनाना एवं उन्हें सीखने के भरपूर मौके देना हमारे वृत्तिकी आवश्यक मांग है। हमें इसके लिए रोज तैयारी करने की आवश्यकता होती है। हम जानते है कि प्रत्येक बच्चा या कोई भी अपनी गति और अपने पूर्व अनुभव के आधार पर ही सीखता है। बदलते परिवेश में जहाँ रोज नए ज्ञान का सृजन हो रहा हो, ऐसे में अपने बच्चो को भावी दुनियां की चुनौतियों के लिए तैयार करना एक दुरूह कार्य सा लगता है। शिक्षण के तरीकों में भी लगातार बदलाव हो रहे हैं। हम भी अगर इस बदलाव के साथ अपने शिक्षण में बदलाव लाते हैं तो हमारे वृत्तिमें विकास होता है। किसी भी वृत्तिमें विकास हेतु लगातार प्रयास करते रहना पड़ता है। अपने वृत्तिमें समय के साथ चलने के लिए यह आवश्यक भी होता है कि हम रोज कुछ नया सीखते रहें। और सीखना तभी संभव होता है जब हम एक दुसरे से बात करें, रोज कुछ नया पढ़ें,अपने अनुभव अपने मित्रों से साझा करें मित्रों के अनुभव का सम्मान करें और उनके अनुभव से सीखें। लगातार सीखने की हमारी उत्कंठा ही हमारे वृत्तिको और सक्षम बना सकती है। आप इससे सहमत होंगे। तो क्यों न हम आज से ही इसकी शुरुआत करें। अपने संकुल एवं अपने प्रखंड के विषय शिक्षक समूह में आपस में अपने विषय से सम्बंधित चर्चा प्रारंभ कर सकते हैं। संकुल में महीने एक बार तो आप मिलते ही हैं। विषय वार चर्चा कर सकते हैं। अपने कक्षा में बच्चों के साथ किये कार्यों को एक दुसरे से साझा कर सकते हैं। आज कल तकनीक ने हमें और नजदीक ला दिया है। हम WhatsApp समूह, e-mail समूह बनाकर भी अपनी बात साझा कर सकते हैं। अपने कार्यों से हमें भी अवगत करा सकते हैं।

क्या नया किया – औरों को भी बताये

आप रोज कुछ नया करते होंगें। अपने बच्चों को सीखने के लिए नए नए तरीको का इजाद करते होंगे। इस नए तरीके ही नवाचार कहे जाते हैं। जरुरत है इसे औरों से साझा करने की। आप इसे हम तक प्रेषित करें ताकि इसे दस्तावेजीकारण कर अपने शिक्षक साथियों को भी उपलब्ध कराया जा सके।

सीखने सिखाने के हमारे तरीके

प्रत्येक बच्चे को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। आप इसे पूरा करने में महती जिम्मेवारी का वहन करते हैं। आप बच्चों के साथ किसी विषय पर बात चीत शुरू करने या कक्षा प्रक्रिया संचालित करने से पहले, संचालन के दौरान एवं उसके बाद कई प्रकार की विधियों तरीकों का उपयोग करते होंगे। आप यह भी देखने की कोशिश करत होंगे कि कौन से बच्चे सीख पा रहे हैं किन्हें कठिनाई हो रही है। आप इसका निदान भी करते होंगे। आप किन तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। इसे साझा करें। हो सकता हैं आपके तरीकों से दुसरे शिक्षकों को भी हल मिल जाए ।उदाहरण के लिए एक शिक्षिका के कक्षा संचालन की प्रकिया का विडियो का लिंक संलग्न किया जा रहा है। आप भी अपने विडियो प्रेषित कर सकते हैं।

https://www.youtube.com/watch?v=gTo3ar3XsVY

आपके विचार

यह अंक आपको कैसा लगा? इस संबंध मेंआपके विचार की अपेक्षा है। शिक्षण के दौरान बच्चे किस विषय के किस अवधारणा को समझने में कठिनाई महसूस करते हैं बताएं। ताकि अवधारणा पर चर्चा प्रारंभ किया जा सके।

आप अपने विचार अपने समूह के अलावे हमें भी भेज सकते हैं।

e-Mail - esamvaad.scert@gmail.com

WhatsApp - **9973462621**

Implementation Support Agency for SCERT, Bihar

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
महेन्द्रू, पटना, बिहार - 800006